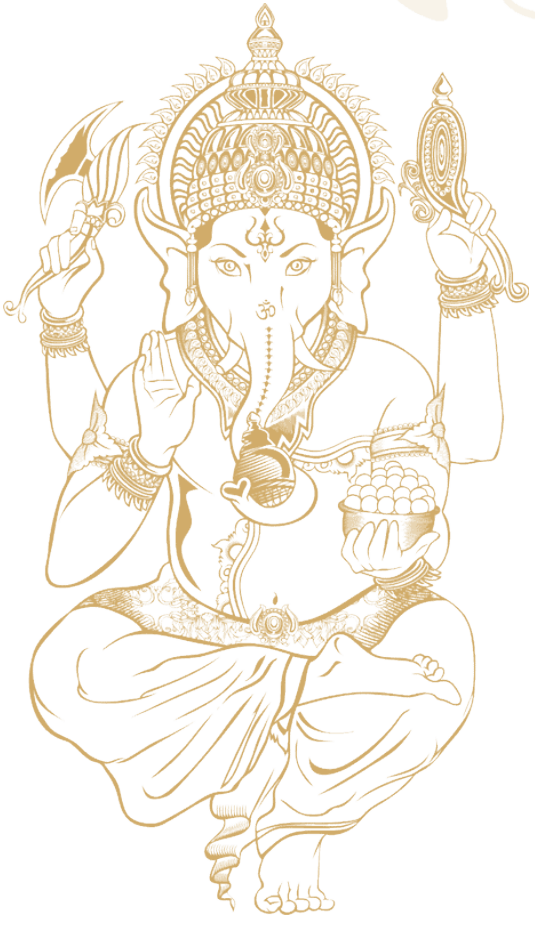

Sandeep Jagriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121170103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/10/1993	जन्म तिथि	05/08/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 03:25:00	जन्म समय	05:30:00 घंटे
घटी 54:00:03	जन्म समय(घटी)	00:17:52 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Lakhimpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	27:57:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	80:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:06:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:58	सूर्योदय	05:30:45
17:43:00	सूर्यास्त	18:54:45
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:54

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 7मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 4वर्ष 6मा 4दि
सूर्य	11:59:22	सिंह	लग्न	कर्क	17:13:05	बुध
04/05/2024	14:57:17	कन्या	सूर्य	कर्क	18:20:03	08/02/2019
04/05/2030	27:11:10	मीन	चंद्र	तुला	29:34:19	08/02/2036
सूर्य 21/08/2024	09:29:10	तुला	मंगल	कन्या	14:59:14	बुध 07/07/2021
चन्द्र 20/02/2025	07:20:16	तुला	बुध	कर्क	26:48:52	केतु 04/07/2022
मंगल 28/06/2025	27:42:26	कन्या	गुरु	वृश्चि	11:44:25	शुक्र 04/05/2025
राहु 23/05/2026	18:50:10	सिंह	शुक्र	कर्क	13:55:32	सूर्य 10/03/2026
गुरु 11/03/2027	00:25:53	कुंभ व	शनि व	मीन	00:14:30	चन्द्र 10/08/2027
शनि 21/02/2028	10:35:08	वृश्चि व	राहु व	तुला	06:05:42	मंगल 06/08/2028
बुध 27/12/2028	10:35:08	वृष व	केतु व	मेष	06:05:42	राहु 23/02/2031
केतु 04/05/2029	24:27:44	धनु	हर्ष व	मक	04:07:59	गुरु 31/05/2033
शुक्र 04/05/2030	24:36:11	धनु	नेप व	धनु	29:52:00	शनि 08/02/2036
	29:55:30	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	04:01:18	

लग्न-चलित

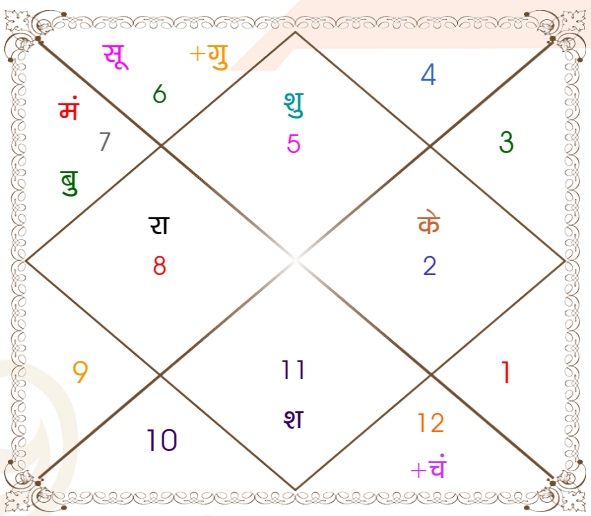

लग्न-चलित

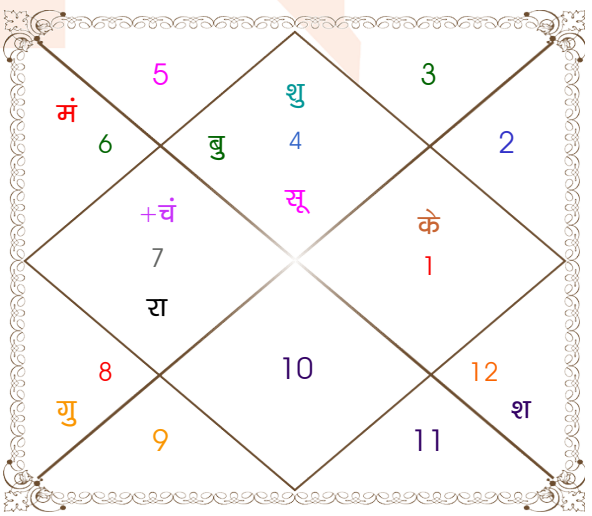

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	6.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ँदकममच का नक्षत्र रेवती है।

ँदकममच का वर्ग सिंह है तथा श्रंहतपजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ँदकममच और श्रंहतपजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ँदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

श्रंहतपजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ँदकममच तथा श्रंहतपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।